ई-संदेश

11 सितम्बर, 2025 | अंक 170

सात दिन – सात पृष्ठ

मा० प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी
का दिनांक 11सितंबर 2025 को वाराणसी में स्वागत करते हुए मा० राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी एवं मा० मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी।

- राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश के युवाओं को उनके ही जनपद में रोजगार की गारण्टी मिल रही है: मुख्यमंत्री
- स्मारक और म्यूजियम वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त करने का माध्यम बनेंगे: मुख्यमंत्री
- शिक्षा किसी भी सभ्य समाज और समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला : मुख्यमंत्री
- ट्रांसपोर्ट की अधिक सेवाएं और विभाग के कार्यों का विस्तार किया जाना आज की आवश्यकता : मुख्यमंत्री
- उत्तर प्रदेश में शक्ति और सामर्थ्य दोनो हैं : मुख्यमंत्री
- स्वस्थ व्यक्ति ही सशक्त समाज और समर्थ राष्ट्र के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है : मुख्यमंत्री
- प्रधानमंत्री जी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान के अन्तर्गत सहभागीहोकर पूरा प्रदेश आपदारूपी संकट में अन्य राज्यों के साथ खड़ा : मुख्यमंत्री
- समाज का सम्बल प्राप्त हो जाने से दिव्यांगजन सार्थक योगदान करने में सक्षम हो जाते हैं : मुख्यमंत्री

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश के युवाओं को उनके ही जनपद में रोजगार की गारण्टी मिल रही है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 04 सितम्बर, 2025 को जनपद गोरखपुर में गीडा औद्योगिक क्षेत्र के प्लास्टिक पार्क में 2,251 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।इस अवसर पर उन्होंने एस0एल0एम0जी0 समूह के अमृत बॉटलिंग प्लाण्ट का भूमि पूजन तथा प्लास्टिक पार्क में टेक्रो प्लास्ट पैकेजिंग प्रा0लि0 का लोकार्पण किया और लाभार्थियों को गीडा आवासीय योजना एवं औद्योगिक योजना के भूखण्डों के आवंटन पत्र वितरित किये।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश के युवाओं को उनके ही जनपद में रोजगार की गारण्टी मिल रही है। प्रदेश सरकार द्वारा गोरखपुर में गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के माध्यम से विकास व रोजगार की सम्भावनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश सरकार समर्पण की भावना के साथ जनता की सेवा कर रही है। इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। आज गीडा को 2,251 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं की सौगात मिली है। वर्ष 2017 से पूर्व गीडा एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश में निवेश एक सपना था, लेकिन आज गोरखपुर सहित अन्य जनपदों में निवेश के बड़े-बड़े प्रस्ताव आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां स्थित प्लास्टिक पार्क में 120 करोड़ रुपये की लागत से नए उद्यम का लोकार्पण किया गया है। टेक्रोप्लास्ट पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड ने प्लास्टिक पैकेजिंग में निवेश किया है। इसमें कार्य करने वाले लोग गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, अयोध्या, जौनपुर आदि जनपदों से सम्बन्धित हैं। पहले प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। वह नौकरी और रोजगार के लिए देश और दुनिया में भटकते थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गीडा में सड़क, ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट, बिजली आदि विकास से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं के लिए 281 करोड़ रुपये लागत की परियोजनाओं के भूमि पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ है। इसके अतिरिक्त, अमृत बॉटलर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 700 करोड़ रुपये की लागत से बॉटलिंग प्लाण्ट बनाया जाएगा, जिससे हजारों युवाओं को नौकरी प्राप्त होगी। प्लास्टिक पार्क में 120 करोड़ रुपये लागत की तीन इकाइयों का लोकार्पण किया जा रहा है। इन इकाइयों टेक्रोप्लास्ट पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, ओमफ्लैक्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड एवं गजानन पॉलीप्लास्ट सम्मिलित हैं। गीडा में ए0पी0एल0 अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड, ग्रीनटेक भारत प्राइवेट लिमिटेड एवं कपिला कृषि उद्योग द्वारा 640 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। इसके माध्यम से 1,200 से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहां कालेसर आवासीय योजना के अन्तर्गत आवास आवंटन का कार्य किया गया है। यहां 400 करोड़ रुपये की लागत से 110 एकड़ भूमि में आवासीय योजना विकसित की गयी है। यहां औद्योगिक भू-आवंटन का कार्य भी सम्पन्न हुआ है। अम्बुजा सीमेन्ट, केयान डिस्टलरी, अशोक रबड़ बोर्ड आदि उद्योगों को भूमि आवंटित की गयी है। इस भूमि आवंटन से गीडा को 5,903 करोड़ रुपये का नया निवेश प्राप्त होगा। इसके माध्यम से 10 हजार युवाओं को नौकरी उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर में स्किल डेवलपमेंट सेंटर तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल बनने जा रहा है। गीडा में इस्पात के दो बड़े उद्योग, गैलेन्ट इस्पात व जलान ग्रुप स्थापित हो चुके हैं। केयान डिस्टलरी, वरुण बेवरेज, इण्डिया ऑटो व्हील्स, ए0पी0एल0 अपोलो ट्यूब, एस0डी0 इंटरनेशनल, ग्रीनटेक भारत प्रा0लि0, सी0पी0 मिल्क फूड प्रोडक्ट, रुंगटा इण्डस्ट्रीज, नोवामैक्स कूलर आदि उद्योगों ने गीडा में सफलतापूर्वक निवेश किया है। यहां मेडिकल डिवाइसेस, प्लाईवुड, फार्मास्यूटिकल आदि से सम्बन्धित निवेश प्राप्त होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सुरक्षा के वातावरण में निवेश प्राप्त होता है। निवेश से युवाओं को नौकरी और रोजगार की प्राप्ति होती है। नौकरी व रोजगार से खुशहाली व समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। सरकार की स्पष्ट नीति, साफ नीयत व सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के कारण प्रदेश में दुनिया का सबसे अच्छा निवेश आ रहा है। निवेश अनुकूल माहौल के कारण ही प्रदेश में 60 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने में सफलता प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर के जिस दक्षिणांचल में पहले लोग नहीं जाते थे, आज वहां फोरलेन कनेक्टिविटी की सुविधा प्राप्त हो रही है। धुरियापार में एक सीमेंट फैक्ट्री लगने जा रही है। अब यही कोका-कोला बनेगा, गीडा में प्लास्टिक के सभी प्रकार के बर्तन व कपड़ा फ्लैटेड फैक्ट्री में बनेंगे। प्रदेश सरकार ने प्रत्येक

जनपद में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर 100 एकड़ में एक एम्प्लाइमेन्ट जोन बनाने का लक्ष्य तय किया है। इस एम्प्लाइमेन्ट जोन के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को स्किल्ड बनाकर उनकी रुचि के अनुरुप रोजगार प्रदान करने में सहायता की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा रोजगार उपलब्ध कराने व विकसित भारत निर्माण हेतु यह सारे कार्य किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार सभी को नये भारत का दर्शन कराकर विकसित भारत की ओर ले जा रही है। विकसित भारत का निर्माण तब होगा, जब उत्तर प्रदेश विकसित बनेगा। उत्तर प्रदेश तब विकसित होगा, जब गोरखपुर सहित राज्य के समस्त जनपद विकसित होंगे।

स्मारक और म्यूजियम वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त करने का माध्यम बनेंगे: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 04 सितम्बर, 2025 को जनपद गोरखपुर में गोरखा युद्ध स्मारक के सौन्दर्यीकरण कार्य एवं संग्रहालय परियोजना का शिलान्यास किया। उन्होंने कार्यक्रम में वीर नारियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों के सामने विकसित भारत के लिए पंचप्रण के संकल्प से जुड़ने का आह्वान किया था। पंचप्रण में देश से गुलामी के अंशों को सर्वथा समाप्त करना, अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करना, वीर सैनिकों के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करना, सामाजिक एकता के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करना और अपने कर्तव्यों के लिए सदैव प्रयत्नशील रहना शामिल है। आज हम भारत सेना के वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए गोरखा रेजीमेंट सेण्टर में एकत्र हुए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' की पंक्तियों 'कलम, आज उनकी जय बोल, का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का लोहा दुनिया ने माना है। जब गोरखा सैनिक 'जय महाकाली जय गोरखाली' के आह्वान के साथ शत्रु पर टूट पड़ते हैं, तो शत्रु पीछे हटने के लिए मजबूर हो जाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहां गोरखा भर्ती डिपो (जी0आर0डी0) में वीर गोरखा सैनिकों के पराक्रम का प्रतीक स्मारक भव्य स्वरुप ले सके, इस कार्य का शुभारम्भ होने जा रहा है। यह भव्य स्वरुप उन सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम बनेगा, जिन्होंने मातृभूमि के लिए अपना बलिदान दिया। उनकी स्मृतियों को जीवन्त बनाए रखने, भावी पीढ़ी को एक नई प्रेरणा प्रदान करने तथा भारत और नेपाल के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और राजनीतिक सम्बन्धों को एक नया आयाम देने के एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ जनरल अनिल चौहान को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी व्यस्तता के बावजूद गोरखा रेजीमेण्ट के युद्ध स्मारक को एक भव्य स्वरुप देने और यहां एक म्यूजियम के शिलान्यास कार्यक्रम में अपना समय दिया। किसी भी जाति अथवा कौम का इतिहास तब तक अधूरा है, जब तक वह अपने शौर्य और पराक्रम को सम्मान नहीं देता है। अपनी परम्पराओं को सम्मान देकर ही कोई जाति आगे बढ़ सकती है और भावी पीढ़ी के लिए अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ा सकती है। यह कार्य आज यहां गोरखपुर के गोरखा भर्ती डिपो (जी0आर0डी0) में किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां बना स्मारक 100 साल पुराना था। इसे वर्तमान के अनुरुप भव्य स्वरुप देने तथा एक म्यूजियम बनाए जाने की दृष्टि से यहां कार्य प्रारम्भ किए गए हैं। गोरखा रेजिमेंट के गठन से लेकर वर्तमान तक उनकी यूनिफॉर्म, अस्त्र-शस्त्र तथा युद्ध कला में हुए परिवर्तन आदि का यहां प्रदर्शन किया जाएगा। यह वर्तमान के साथ ही भावी पीढ़ी के लिए एक नई प्रेरणा होंगे। स्मारक और म्यूजियम वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त करने का माध्यम बनेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह पूरी भूमि गोरखा ब्रिगेड की है। राज्य सरकार यहां बन रहे म्यूजियम और स्मारक में सहयोग कर रही है। गोरखा रेजीमेण्ट के लिए यह अत्यन्त गौरवशाली है कि भारतीय सेना के पहले दो चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ जनरल बिपिन रावत और जनरल अनिल चौहान गोरखा रेजीमेण्ट से जुड़े रहे हैं। कारगिल युद्ध में अपने अप्रतिम शौर्य और पराक्रम का परिचय देने वाले कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय गोरखा ब्रिगेड की ही देन थे। हमारी सरकार ने कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय के नाम पर लखनऊ सैनिक स्कूल का नामकरण किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2047 के विकसित भारत के संकल्प के साथ हर भारतवासी जुड़े। हर भारतीय के मन में विकसित भारत के लिए एक भाव पैदा होना चाहिए। विकसित भारत का संकल्प तब पूरा होगा, जब हम राष्ट्रप्रथम के भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार अपने वीर सैनिकों के कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

शिक्षा किसी भी सभ्य समाज और समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति, दार्शनिक, विचारक एवं महान शिक्षाविद् डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयन्ती 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर 05 सितम्बर, 2025,को यहां लोक भवन में शिक्षकों के सम्मान के लिए आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में राज्य शिक्षक पुरस्कार तथा मुख्यमंत्री शिक्षक पुरस्कार हेतु चयनित 81 शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी सभ्य समाज और समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला है। यह मात्र अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं है। हमारे विद्यार्थी आगे चलकर देश को नेतृत्व देंगे। हमारी शिक्षा व्यवस्था जितनी बेहतर होगी, उतना ही हमारा भविष्य भी बेहतर होगा। शिक्षकगण पथ-प्रदर्शक की भूमिका का निर्वहन करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। एक शिक्षक की तुलना किसी अन्य से नहीं हो सकती। शिक्षक का कार्य बहुत ही सम्मानित कार्य है। एक शिक्षक जीवनभर शिक्षक होता है। उसके मन में सीखने व सिखाने का जज्बा होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहानी संग्रह 'गुल्लक', हस्तपुस्तिका 'बालवाटिका' तथा नवाचार संकलन पुस्तिका 'उद्गम' का विमोचन तथा 'उद्गम' के डिजिटल पोर्टल का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री जी ने माध्यमिक शिक्षा परिषद के 2204 प्रधानाध्यापकों को टैबलेट तथा 1236 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास के लिए प्रधानाध्यापकों को प्रमाण-पत्र वितरित किये।

मुख्यमंत्री जी ने प्राथमिक विद्यालयों, उच्च प्राथमिक विद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों, स्ववित्त पोषित विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों को कैशलेस उपचार का लाभ देने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार इसके साथ ही, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोईयों को भी इसका लाभ प्रदान करेगी। इस प्रकार उत्तर प्रदेश के लगभग 09 लाख शिक्षक कैशलेस उपचार से लाभान्वित होंगे। बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग व उच्च शिक्षा विभाग इस सम्बन्ध में एक समय-सीमा में सभी प्रक्रियाओं को पूरा करें, जिससे इस सुविधा का लाभ इन सभी को प्राप्त हो सके। इसके साथ ही, हमने एक उच्चस्तरीय कमेटी बनायी है, जो शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय को बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देश में एक सकारात्मक वातावरण बना है। मुख्यमंत्री जी ने सभी सम्मानित होने वाले शिक्षकगण का अभिनन्दन करते हुए कहा कि इन सभी शिक्षकों ने अपने कर्तव्यों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन किया और आज यहां पर राज्य शिक्षक पुरस्कार और मुख्यमंत्री उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित हुए है। उनका यह कार्य ना केवल वर्तमान पीढ़ी, बल्कि देश के भावी भविष्य के लिए भी एक प्रेरणा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश के परसेप्शन को बदलने के लिए अनेक कार्य किये। नीति आयोग ने देश में शिक्षा के क्षेत्र में हुए नवाचारों में उत्तर प्रदेश की बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में 'ऑपरेशन कायाकल्प' के माध्यम से किये गये कार्यों का उल्लेख किया है। यह ऑपरेशन कायाकल्प आज देश के लिए एक प्रेरणा बना है। ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से 01 लाख 36 हजार विद्यालयों का 19 पैरामीटर के आधार पर विकास किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज इन 01 लाख 36 हजार विद्यालयों में बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग टॉयलेट की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था दी गयी है। विद्यालय में अच्छी फर्श बनी है। इनमें फर्नीचर, स्मार्ट क्लास तथा डिजिटल लाइब्रेरी जैसे परिवर्तन हुए हैं। विगत दो वर्ष पूर्व हमने 'प्रोजेक्ट अलंकार' प्रारम्भ किया था। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत जर्जर विद्यालयों के नये भवन बनाए गये और वहां नये संसाधन दिए गये। इसके लिए लगातार कार्य किया गया। वर्तमान में 10 हजार से अधिक ऐसे विद्यालयों को 'प्रोजेक्ट अलंकार' के अन्तर्गत एक नया भवन मिला है और वहां पठन-पाठन का सुरक्षित माहौल दिया गया है। उत्तर प्रदेश शिक्षा क्षेत्र में हुए सकारात्मक परिवर्तनों का केन्द्र बिन्दु रहा है। यहां के बहुत सारे युवा विभिन्न राज्यों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश देश को अच्छे शिक्षक प्रदान करने वाला राज्य रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग ने 03 से 06 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए बाल वाटिका नामक एक नया कार्यक्रम विकसित किया है। 05 हजार से अधिक बाल वाटिकाएं इस सत्र में प्रारम्भ हो चुकी हैं, जिनके माध्यम से 25 हजार से अधिक बच्चों को वहां पढ़ाने-लिखाने की कार्यवाही प्रारम्भ हो चुकी है। प्रदेश सरकार ने यह तय किया है कि सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों और बाल वाटिका में जो बच्चे पढ़ेंगे, उन 03 से 06 वर्ष तक के सभी बच्चों को मुख्यमंत्री पोषण मिशन के साथ जोड़ा जाएगा। हमारे बच्चे स्वस्थ रहेंगे, तो उत्तर प्रदेश की नींव भी सशक्त होगी। नीति आयोग और देश में शिक्षा क्षेत्र में कार्य करने वाली विभिन्न संस्थाओं की रिपोर्ट यह बताती है कि देश में शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक प्रगति उत्तर प्रदेश की स्कूली शिक्षा में बेसिक शिक्षा परिषद ने की है।

ट्रांसपोर्ट की अधिक सेवाएं और विभाग के कार्यों का विस्तार किया जाना आज की आवश्यकता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 06 सितम्बर, 2025 को यहां इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में परिवहन विभाग तथा उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की विभिन्न सेवाओं का शुभारम्भ एवं योजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। उन्होंने 1.5 लाख जन सेवा केन्द्रों के माध्यम से परिवहन सेवाओं का शुभारम्भ किया, पी0पी0पी0 मॉडल के अंतर्गत 07 बस स्टेशनों और अनुदान आधारित 25 बस स्टेशनों/कार्यशालाओं का डिजिटल लोकार्पण/शिलान्यास किया। उन्होंने एक्रीडिटेड ड्राइविंग ट्रेनिंग सेन्टर, रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी, नवीनतम ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन के निवेशकों एवं जनसुविधा केन्द्र परिवहन सेवा उपलब्ध कराने वाले सी0एस0सी0 के प्रतिनिधियों को प्रमाण पत्र तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला परिचालकों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया।
मुख्यमंत्री जी ने डिजिटल बस ट्रैकिंग ऐप 'यूपी मार्गदर्शी' तथा सरल परिवहन हेल्पलाइन '149' का शुभारम्भ, इन्टरनेशनल ड्राइविंग परमिट की नई बुकलेट तथा स्मारिका का विमोचन किया। उन्होंने डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, इलेक्ट्रिक एवं सी0एन0जी0 बस सहित नई 400 बी0एस0-6 बसों एवं परिवहन विभाग के 70 इंटरसेप्टर वाहनों को झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी के समक्ष आई0आई0टी0 खड़गपुर तथा परिवहन विभाग के मध्य एवं परिवहन विभाग और सी0एस0सी0 के मध्य एम0ओ0यू0 का आदान-प्रदान किया गया।कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री जी ने इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान के विभिन्न ऑडिटोरियम के नवीनीकरण/उच्चीकरण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। इसमें ज्यूपिटर हॉल के नवीनीकरण/उच्चीकरण कार्यों का लोकार्पण तथा मार्स एवं मरकरी ऑडिटोरियम के नवीनीकरण/उच्चीकरण कार्यों का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि परिवहन विभाग प्रदेश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का सबसे बड़ा माध्यम है। देश में भी किसी राज्य में सर्वाधिक 14,000 बसों के साथ उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम सफलतापूर्वक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। प्रदेश की विशाल आबादी के लिए सुविधाएं देने की अपनी चुनौतियां भी हैं। ट्रांसपोर्ट की अधिक सेवाएं और विभाग के कार्यों का विस्तार किया जाना आज की आवश्यकता है। कोई भी व्यक्ति, समाज, गांव, शहर, जिला, राज्य अथवा देश अगर समय की गति से पिछड़ जाता है, तो हमेशा के लिए पिछड़ जाता है। जो समय की गति से दो कदम आगे चलने की सामर्थ्य रखता है, वही प्रगति के पथ पर आगे बढ़कर विजयश्री प्राप्त करता है।
मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विजयश्री और प्रगति की यात्रा में हम भी विकसित भारत की परिकल्पना के सारथी बनें। विकसित भारत की दृष्टि से परिवहन विभाग को अगले 03 साल, 10 साल और 22 साल में प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्यों और योजनाओं का निर्माण करना होगा। विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विकसित उत्तर प्रदेश बनाना आवश्यक है। विकसित उत्तर प्रदेश के लिए परिवहन विभाग की शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म और लॉन्ग टर्म प्लानिंग के तहत अपनी सेवाओं को और बेहतर करना होगा।
यदि थोड़ा सा प्रयास किया जाए, तो पब्लिक ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में जो भी संभावनाएं हैं, उन्हें हम आसानी से अचीव भी कर सकते हैं। विभिन्न अवसरों पर परिवहन विभाग ने यह करके भी दिखाया है। वर्ष 2019 में प्रयागराज कुम्भ तथा वर्ष 2020 में वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान परिवहन विभाग ने सराहनीय कार्य किए। कोरोना महामारी के दौरान जब 01 करोड़ कामगार और श्रमिकों ने देश के अलग-अलग क्षेत्रों से अपने गांवों के लिए प्रस्थान किया था, तब परिवहन विभाग की बसों ने उन्हें अपने गन्तव्यों तक पहुंचाया था।
मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश की राजधानी में सर्वाधिक सार्वजनिक कार्यक्रमों के केन्द्र बिन्दु इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान के ज्यूपिटर, मार्स और मरकरी के साथ ही अन्य सभागारों के पुनर्विकास तथा सौन्दर्यीकरण की योजना के लिए बधाई देते हुए कहा कि यहां पहला कार्यक्रम परिवहन विभाग का आयोजित हो रहा है।इसी प्रकार परिवहन विभाग के बस स्टेशन भी सुंदर और व्यवस्थित बनने चाहिए, जिससे वह आमजन को अपनी ओर आकर्षित कर सकें।
मुख्यमंत्री जी ने लोकार्पित, शिलान्यास तथा शुभारम्भ की जा रही परियोजनाओं के लिए परिवहन विभाग को बधाई देते हुए कहा कि हाल ही में रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर बहनों को तीन दिनों तक लगातार निःशुल्क बस सेवा

परिवहन निगम ने उपलब्ध करवाई। यह बहुत शानदार कार्य था। इससे लोगों में विभाग के प्रति और विश्वास बनता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज परिवहन विभाग और सी0एस0सी0 के मध्य एम0ओ0यू0 हुआ है। अब कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से आम जन को परिवहन विभाग की सेवाओं की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। आई0आई0टी0 खड़गपुर और परिवहन विभाग के बीच एम0ओ0यू0 किया गया है, जिससे विभाग में तकनीक का उपयोग करते हुए सड़क सुरक्षा के मानकों को नेशनल एवरेज से अच्छा करने में सफलता मिलेगी। इन्टरनेशनल ड्राइविंग परमिट की नई बुकलेट का भी विमोचन और सरल परिवहन हेल्पलाइन '149' भी जारी हुई है। यह हेल्पलाइन एक सामान्य पैसेंजर के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। परिवहन विभाग द्वारा डिजिटल बस ट्रैकिंग ऐप तथा हेल्पलाइन एक सामान्य नागरिक को विभिन्न सुविधाओं से जोड़ेगा।

आज पी0पी0पी0 मोड के अंतर्गत प्रदेश में बनने जा रहे बस स्टेशनों का शिलान्यास भी किया गया है। इनकी लागत 82 करोड़ रुपये है। अब तक हमने 23 बस स्टेशनों को पी0पी0पी0 मोड पर विकसित किए जाने का अनुमोदन कैबिनेट से दिया है। इनमें से 07 का शिलान्यास हो रहा है। शेष 16 भी जल्दी तैयार होने चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बेहतर समन्वय एवं व्यापक जनजागरुकता से हम सड़क दुर्घटनाओं को चरणबद्ध रुप से न्यूनतम स्तर पर लाने में सफल हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इलेक्ट्रिक बस सेवा के प्रति लोगों में एक नया उत्साह है। इससे पर्यावरण की रक्षा भी होती है, साथ ही, बेहतरीन यात्रा का आनंद भी लोग ले पाते हैं। हमें इस दिशा में आगे बढ़ना पड़ेगा। इसके लिए चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने पड़ेंगे।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों को नेट जीरो एमिशन का लक्ष्य दिया हैं। हमें कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करना है। इलेक्ट्रिक व्हीकल इसका एक बेहतर माध्यम है।

उत्तर प्रदेश में शक्ति और सामर्थ्य दोनो हैं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 06 सितम्बर, 2025 को यहां भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 'उत्तर प्रदेश टी-20 लीग' सीजन-3 क्रिकेट मैच के समापन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने खिलाड़ियों से भेंट की और मेरठ मेवरिक्स व काशी रुद्रास के बीच आयोजित फाइनल मैच का अवलोकन किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में शक्ति और सामर्थ्य दोनों हैं। यहां सबकुछ सम्भव हो सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में खेल एवं खिलाड़ियों के लिए देश में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा रहा है। देश में 'खेलो इण्डिया', 'फिट इण्डिया' जैसे अभियान पूरी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। खेल व खेल संस्कृति को और विस्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खेल नीति-2025 लागू की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आने वाला समय भारत का है और खेल व खिलाड़ियों को बेहतर वातावरण मिलेगा। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को आगे भी अच्छा प्लेटफॉर्म मिलेगा। 'उत्तर प्रदेश टी-20 लीग' ने उभरती प्रतिभाओं को प्लेटफॉर्म प्रदान किया है। इतनी बड़ी जनसंख्या व सामर्थ्य के राज्य उत्तर प्रदेश का खेलों में प्रतिनिधित्व और बढ़ना चाहिए। इसके दृष्टिगत उन्होंने बी0सी0सी0आई0 से कहा कि उत्तर प्रदेश से कम से कम 04 टीमें और होनी चाहिए। खेल क्षेत्र में लोगों को सक्रियता के साथ आगे आना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में लखनऊ व कानपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम मौजूद हैं। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बन रहा है, जिसका 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। इस वर्ष के अंत तक यह स्टेडियम क्रियाशील हो जाएगा। इसी प्रकार अयोध्या में भी एक स्टेडियम निर्माणाधीन है। गोरखपुर में एक अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। प्रदेश का पहला खेल विश्वविद्यालय मेरठ में मेजर ध्यानचंद के नाम पर बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार हर जनपद में स्टेडियम, हर विकास खण्ड में मिनी स्टेडियम और हर ग्राम पंचायत में खेल के मैदान व ओपन जिम युद्धस्तर पर निर्मित करा रही है। उभरते खिलाड़ियों को सरकार निरन्तर प्रोत्साहित कर रही है। अच्छे खिलाड़ियों को प्रशिक्षक के रूप में अच्छे मानदेय पर रखा जा रहा है।

ज्ञातव्य है कि 'उत्तर प्रदेश टी-20 लीग' सीजन-3 का आयोजन 17 अगस्त से 06 सितम्बर, 2025 तक किया जा रहा है। इस टी-20 लीग में वाराणसी, गोरखपुर, नोएडा, मेरठ, लखनऊ और कानपुर की टीमें शामिल हैं। आज मेरठ मेवरिक्स व काशी रुद्रास के मध्य फाइनल मैच हुआ।

स्वस्थ व्यक्ति ही सशक्त समाज और समर्थ राष्ट्र के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 08 सितम्बर, 2025 को यहां मिशन रोजगार के अन्तर्गत निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अन्तर्गत चयनित स्वास्थ्य विभाग के 1,112 कनिष्ठ लिपिक एवं 22 एक्स-रे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर उन्होंने नवचयनित अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से चयनित हुए हैं। निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया प्रदेश की नई तस्वीर प्रस्तुत करती है। इसका उदाहरण चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग भी है। सरकार भी आपसे अपेक्षा रखती है कि जरुरतमंदों के प्रति संवेदना व आदर का भाव रखते हुए, उन्हें बेहतर से बेहतर सेवा प्रदान करें। उनके साथ किसी भी स्तर पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। यदि प्रत्येक नागरिक अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारीपूर्वक करेगा, तो देश को विकसित भारत तथा दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने में बहुत देर नहीं लगेगी। इसके लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान दे सकता है। स्वस्थ व्यक्ति ही सशक्त समाज और समर्थ राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकता है। व्यवस्था के अस्वस्थ होने पर विकास अवरुद्ध हो जाएगा। उन्होंने कहा कि विगत साढ़े 08 वर्षों में स्वास्थ्य विभाग ने लम्बी छलांग लगाई है। प्रत्येक क्षेत्र में कुछ न कुछ नया परिवर्तन करके दिखाया है। यह परिवर्तन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत संकल्पना को आगे बढ़ाने का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत 1,354 स्टाफ नर्स, 7,182 ए0एन0एम0, 1,102 स्पेशलिस्ट चिकित्सक, चिकित्सा शिक्षा विभाग के 278 एसोशिएट प्रोफेसर तथा चिकित्सा संस्थानों के 2,142 स्टाफ नर्स की भर्ती सफलतापूर्वक सम्पन्न कर नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। यह सभी उत्तर प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में 17 मेडिकल कॉलेज थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 80 से अधिक हो गई है। इन मेडिकल कॉलेजों में बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। लोगों को स्थानीय स्तर पर अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। 'एक जनपद एक मेडिकल कॉलेज' योजना प्रदेश की पहचान बन रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में 80 लाख से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड का लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने केन्द्र सरकार के साथ मिलकर गरीबों की बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए लगभग 03 हजार करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया है। हाल ही में प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों के लिए कैशलेस इलाज की घोषणा की गई है। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में ब्लड बैंक, आई0सी0यू0, मिनी आई0सी0यू0, डिजिटल एक्स-रे, ब्लड सेपरेटर तथा डायलिसिस आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं। टेक्नीशियन तथा कनिष्क सहायक किसी भी चिकित्सा संस्थान की बैकबोन होते हैं। यदि कनिष्ठ सहायक जरुरतमंद लोगों की फाइल समय से अग्रसारित कर दें, तो लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं निर्धारित समय में प्राप्त हो सकती हैं। एक्स-रे टेक्नीशियन मशीनों के संचालन व रख-रखाव में अपना योगदान दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2017 से पूर्व एम0बी0बी0एस0 की 5,390 सीटें थीं। अब इनकी संख्या बढ़कर 11,850 अर्थात् दोगुने से भी अधिक हो चुकी है। पी0जी0 की सीट्स 1,344 से बढ़कर 4,028 हो गई हैं। सुपर स्पेशियलिटी सीटों की संख्या भी 120 से 305 हो गयी हैं। राजकीय क्षेत्र में अप्रैल 2017 के बाद से 1,284 चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है। डी0एन0बी0 सीटों की संख्या पिछले एक साल में दोगुनी हो गयी है।

यू0पी0एम0एस0सी0एल0 के अन्तर्गत उपकरणों एवं दवाइयों की आपूर्ति की जा रही है। वर्ष 2017-18 में यू0पी0एम0एस0सी0एल0 का वार्षिक टर्न ओवर 83 करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 1,390 करोड़ रुपये हो गया है। पहले इस सीजन में अस्पताल इन्सेफेलाइटिस, मलेरिया, डेंगू, कालाजार, चिकनगुनिया आदि बीमारियों के मरीजों से भरे रहते थे। अब यह बीमारियां पूरी तरह नियन्त्रण में है। यह चीजें दिखाती हैं कि जब सरकार द्वारा अच्छे कदम उठाएं जाते हैं, तो अच्छे परिणाम आने में समय नहीं लगता है।

प्रधानमंत्री जी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान के अन्तर्गत सहभागी होकर पूरा प्रदेश आपदारूपी संकट में अन्य राज्यों के साथ खड़ा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 08 सितम्बर, 2025 को जनपद सहारनपुर में पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के बाढ़ पीड़ितों हेतु 19 हजार राहत सामग्री किट के 48 वाहनों को फ्लैग ऑफ किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद सहारनपुर माँ शाकुम्भरी की पावन धरा है। उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के नागरिकों के लिए बाढ़ राहत सामग्री को भेजा जा रहा है। यह मानवीय संवेदना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित किए जा रहे हैं, वहीं सरकार के स्तर पर आपदा से निपटने के लिए किए गए प्रयास अत्यन्त प्रभावी रहे हैं। किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए एन0डी0आर0एफ0, आपदा मित्र, स्थानीय पुलिस लगातार सक्रिय होकर राहत कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। यह आपदा के समय समाज की संवेदना को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समाज और स्वयंसेवी संगठन जब पीड़ितों के साथ खड़े हो जाते हैं, तब सरकार द्वारा संचालित संस्थाएं बेहतर परिणाम देती हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान के अन्तर्गत सहभागी होकर पूरा प्रदेश आपदारूपी संकट में अन्य राज्यों के साथ खड़ा है। यदि संकट में सब मिलकर सामना करते हैं, तो संकट संकट नहीं रह जाता है। यदि कहीं बाढ़ जैसी आपदा आती है, तो उस आपदारूपी संकट से निपटने हेतु सहारनपुर, लखनऊ और बलिया भी सदैव तैयार रहेगा। सरकार संकट में प्रभावित लोगों के साथ है। उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर आपदा के कारण बादल फटने तथा अतिवृष्टि की घटनाएं हुई हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 48 ट्रकों को उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब भेजने के लिए तीन जनप्रतिनिधियों को साथ में भेजा जा रहा है।

प्रदेश के नागरिकों की ओर से 05-05 करोड़ रुपये की सहायता राशि उत्तराखण्ड तथा हिमाचल प्रदेश को राहत कोष के लिए उपलब्ध करायी जा रही है। उत्तराखण्ड हेतु लोक निर्माण राज्यमंत्री श्री बृजेश सिंह, हिमाचल प्रदेश हेतु संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्यमंत्री श्री जसवंत सैनी तथा पंजाब हेतु सहारनपुर के नगर विधायक श्री राजीव गुंबर यह सहायता राशि तथा राहत सामग्री को लेकर जा रहे हैं। प्रदेश सरकार का यह प्रयास बाढ़ पीड़ितों के प्रति संवेदना तथा राहत कार्यों में सहयोग प्रदान करेगा। इसके बावजूद यदि अन्य सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी, तो प्रदेश की 25 करोड़ जनता तथा प्रदेश सरकार संकट की इस घड़ी में प्रत्येक पीड़ित के साथ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में बाढ़ सबसे बड़ी चुनौती रही है। प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक पैमाने पर बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए समय पर किए गए प्राविधानों का परिणाम है कि आज प्रदेश बाढ़ जैसी आपदा को लगभग नियंत्रित करने के नजदीक पहुंच चुका है। राज्य सरकार द्वारा यमुना नदी के किनारे स्थित क्षेत्रों जनपद सहारनपुर, बागपत, गौतमबुद्धनगर तथा प्रयागराज एवं गंगा नदी के किनारे स्थित क्षेत्रों प्रयागराज, बिजनौर, बलिया आदि में पुख्ता व्यवस्था की गई है।इसी प्रकार सरयू, रामगंगा तथा हिण्डन नदियों के जल स्तर बढ़ने के कारण हुई जनधन व फसलों की हानि तथा प्रभावित नागरिकों को प्रदेश सरकार ने तत्काल राहत सामग्री पहुंचाने का काम किया है। प्रदेश में जिन किसानों की फसलें बाढ़ व जल प्लावन की चपेट में आयी है, उनका सर्वे कराने का आदेश दिया गया है। सर्वे की रिपोर्ट आते ही तत्काल अन्नदाता किसानों के नुकसान की भरपाई सरकार के स्तर से प्रारम्भ कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार राहत सामग्री के रूप में जनहानि पर 04 लाख रुपये प्रभावित परिवार को उपलब्ध कराती है। यदि बरसात के समय कोई जंगली, हिंसक जानवर, सांप, बिच्छू किसी व्यक्ति को काटता है तथा उसकी दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु होने की दशा में सरकार पीड़ित परिवार को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराती है। आपदा के दौरान यदि किसी गरीब का मकान गिर जाता है तो सरकार आवास बनाने हेतु उसे धनराशि उपलब्ध कराती है। यदि जमीन और मकान नदी में विलीन तथा कटान की चपेट में आ जाता है, तो सरकार द्वारा परिवार को मकान बनाने के लिए जमीन का पट्टा और धनराशि भी उपलब्ध कराई जाती है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार जल में प्लावित मेरूण्ड गांवों में प्रत्येक पीड़ित को सुरक्षित शिविर, राहत सामग्री, भोजन तथा पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराती है।

शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल ज्ञान के माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला भी रखते हैं। यदि शिक्षा संस्कारयुक्त, महापुरुषों, मातृभूमि व राष्ट्र के प्रति समर्पण के भाव से युक्त व मूल्यों पर आधारित नहीं है, तो वह शिक्षा नहीं, भटकाव का माध्यम है।दुनिया में समृद्धि का पहला पैरामीटर शिक्षा ही है। शिक्षा के बाद स्वास्थ्य, स्वास्थ्य के बाद कृषि व जल संसाधन तथा इसके बाद कौशल विकास व रोजगार को प्राथमिकता दी जाती है। पर्यावरण अनुकूल विकास कार्य करना आवश्यक है। इन सभी पैरामीटर्स के माध्यम से समग्र विकास की अवधारणा तय की जाती है। समग्र विकास के लक्ष्य के साथ जब कोई अभियान आगे बढ़ता है, तो वह देशहित के साथ-साथ मानवता का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत के लिए बलिदान देने वाले महापुरुषों का सम्मान करना व उनकी विरासत का संरक्षण करना प्रत्येक भारतीय का दायित्व है। गुलामी के अंशों को सर्वथा समाप्त करना भी आवश्यक है। एक समय देश में गुलामी की मानसिकता इस कदर हावी हो गयी थी कि प्रत्येक भारतीय स्वयं को हेय दृष्टि से देखने लगा था। विदेशियों को सम्मानित समझा जाता था। विगत 11 वर्षों में इस दुष्प्रवृत्ति पर रोक लगायी गयी है। प्रत्येक भारतीय सर्वश्रेष्ठ है। विदेशियों द्वारा बनायी गयी सम्पत्ति दुनिया के अन्य देशों से लूटकर अर्जित की गयी है, लेकिन भारत ने अपने पुरुषार्थ से अपनी समृद्धि का रास्ता तय किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कम्पटीशन के दौरान कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन व कैलकुलेटर पर अत्यधिक निर्भरता सफलता की सम्भावनाओं को कम करती है। हमें अपने जीवन को कठिन नहीं, बल्कि सरल व सुगम बनाना है। टेक्नोलॉजी का उपयोग उतना ही होना चाहिए, जो हमारे लिए उपयोगी हो। यदि हम घण्टों सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर व्यतीत करते हैं, तो हम समय, श्रम व अपने शरीर का नुकसान करते हैं। लम्बे समय तक सोशल मीडिया प्लेटफार्म को देखने से हमारी आँखों पर असर पड़ता है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से हम डिजिटल लाइब्रेरी, दुनिया से सम्बन्धित आकड़ों व अन्य जानकारी तक पहुंच सकते हैं, लेकिन इस पर सम्पूर्ण निर्भरता नहीं होनी चाहिए, अपने स्तर पर भी जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में सबकुछ होने के बावजूद उपेक्षा के कारण युवा अन्य राज्यों को पलायन करते थे। आज उन्हें अपने प्रदेश और क्षेत्र में ही नौकरी व रोजगार की गारन्टी मिल रही है। उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बनकर प्रथम अर्थव्यवस्था बनने की ओर निरंतर अग्रसर है, जो विकसित उत्तर प्रदेश का मार्ग प्रशस्त करता है। विकसित उत्तर प्रदेश में प्रत्येक की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

समाज का सम्बल प्राप्त हो जाने से दिव्यांगजन सार्थक योगदान करने में सक्षम हो जाते हैं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 09 सितम्बर, 2025 को गोरखपुर में मारवाड़ी युवा मंच, गोरखपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम पैर प्रत्यारोपण शिविर के समापन समारोह में सम्बोधित करते हुए कहा कि दिव्यांगजन को कैलिपर्स, व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल सहित 350 से अधिक कृत्रिम उपकरणों को यहां वितरित किया गया है। यह कार्य ईश्वर के प्रति उनकी सर्वश्रेष्ठ सेवा है तथा पितृपक्ष में अपने पूर्वजों को दी गयी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। उन्होंने मारवाड़ी युवा मंच गोरखपुर संस्था के सामाजिक कार्यों और सद्प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था के इस प्रयास में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का भाव भी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य में आत्मा का वास होता है। यह आत्मा परमात्मा की ही एक कृति होती है। इसलिए हम सभी को उनके प्रति श्रद्धा का भाव रखना चाहिए। दिव्यांगजन भी उसी श्रद्धा के पात्र है। किसी कारणवश दिव्यांगता को प्राप्त दिव्यांगजन में ईश्वर द्वारा अनेक गुण प्रदान किये जाते है। दिव्यांगजन को समाज का सम्बल प्राप्त हो जाने से वह समाज में सार्थक योगदान करने में सक्षम हो जाते हैं। इतिहास में ऐसे अनेक दृष्टांत है, जिसमें दिव्यांगजन ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। प्राचीनकाल में महर्षि अष्टावक्र तथा मध्य काल में महाकवि सूरदास ऐसे विशिष्ट उदाहरण रहे हैं। महाकवि सूरदास जी द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का जितना बेहतरीन वर्णन किया गया है उतना कोई आंख वाला व्यक्ति भी नहीं कर सकता।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दिव्यांगजन में अनेक प्रतिभाएं छिपी होती हैं, बस जरुरत होती है एक योजक की जो उनकी प्रतिभा को निखार सके। आज गोरखपुर में मारवाड़ी युवा मंच द्वारा किया गया यह कार्य दिव्यांगजन के लिए एक योजक के रूप में सामने आया है। मारवाड़ी युवा मंच का यह कार्य समाज के प्रति उसके कर्तव्य को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि समाज के अन्य लोग एवं संस्थाएं भी इसी प्रकार अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे, तो हम समाज के वंचित वर्ग के लिए एक सम्बल का कार्य करेंगे। इस सामाजिक सम्बल से राष्ट्रीय एकता का भाव विकसित होगा। यह भाव हमें एक विकसित भारत के निर्माण की ओर ले जायेगा। इस दृष्टि से मारवाड़ी युवा मंच गोरखपुर के युवाओं ने आज एक बहुत सहरानीय कार्य किया है।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित